आनंदालय
सामयिक परीक्षा´ 1
कक्षा :नौवीं

विद्या सर्वार्थ साधिका

विषय: हिंदी **अधिकतम अंक´ 40**
दिनांक : 19□07□2019 **निर्धारित समय´ 2 घंटे**

सामान्य निर्देश´
- इस प्रश्न पत्र में तीन खंड है´ क□ख□ग□घ।
- चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंडों के उत्तर क्रमश□दीजिए ।

खण्ड क

1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए □

मेहनत सफलता की कुंजी है। मिस्र के पिरामिडों को देखकर हम आज भी आश्चर्य करते हैं।चीन की दीवार को देखकर दाँतों तले उँगली दबाते हैं। तेनजिंग के एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ने की बात याद करके रोमांच हो आता है। ये काम कैसे हुए □सतत मेहनत करने से। यदि आदमी मेहनत से बचता तो दुनिया का पता कैसे चलता□समुद्र कैसे पार होते□पहाड़ों की चोटियों पर लोग कैसे पहुँचते□आदमी पृथ्वी की परिक्रमा कैसे कर पाता□रेल□मोटर□हवाई जहाज़ कहाँ से चलते□दुनिया के हर क्षेत्र में आज जो चमत्कार दिखाई देते हैं□वे कहाँ से होते□

अंग्रेजी में एक कहावत है -'रोम एक दिन में नहीं बन गया था।' हिन्दी में हम कहा करते हैं -'हथेली पर सरसों नहीं जमती।' बड़े´ बड़े कामों के पूरा होने में समय लगता है। अंग्रेजी के विश्वकोश को पूरा करने में वेबस्टर को छब्बीस साल लगे। टॉल्स्टॉय ने अपना सुप्रसिद्ध उपन्यास 'युद्ध और शांति' सात बरस में पूरा किया। जार्ज स्टीफेंसन रेलगाड़ी का सुधार करने में पन्द्रह बरस जुटा रहा। बड़े कामों के लिए बड़ी साधना की ज़रूरत होती है। 'जितना गुड़ डालोगे उतना ही मीठा होगा'□यह कहावत बिलकुल सही है।

अपनी मेहनत के बल पर ही ध्यानचंद हॉकी के जादूगर कहलाए निरंतर मेहनत से ही उन्होंने यह मुकाम हासिल किया।अत□मेहनत से घबराना नहीं चाहिए। अपनी कमियों को दूर कर अपने कार्यों में निपुणता प्राप्त करना चाहिए। सफलता की प्राप्ति तभी संभव है।

□क□ ' मेहनत सफलता की कुँजी है ।' कथन स्पष्ट कीजिए । □1□

□ख□ यदि आदमी मेहनत से बचता तो हम किन´ किन नियामतों से वंचित होते□उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । □1□

□ग□ ' जितना गुड़ डालोगे उतना ही मीठा होगा ।' कहावत को गद्यांश में वर्णित महापुरूषों के उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। □1□

□घ□ मुकाम शब्द का अथ है – □1□

□i□मुश्किल □ii□मंज़िल □iii□मिलना □iv□बेकाम

□ङ□ अपनी कमियों को दूर करने से हमें मिलती है – □1□

□i□सफलता □ii□प्रसन्नता □iii□ खुशहाली □iv□उपर्युक्त सभी

□च□ उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए – □1□

□i□मेहनत ही जीवन □ii□आज की दुनिया □iii□युद्ध और शांति □iv□बड़ी साधना

खण्ड - ख

2 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए –

(क) स्मृति (वर्ण विच्छेद कीजिए) (1)

(ख) अनुस्वार शब्द का शुद्ध रूप है – (1)

(i) प्रशंसा (ii) प्रशन्सा (iii) प्रंशसा (iv) प्रशंसा

(ग) अनुनासिक का शुद्ध रूप है – (1)

(i) मांग (ii) माँग (iii) मांन्ग (iv) मॉग

(घ) नुक्ता का शुद्ध रूप है – (1)

(i) वक़्त (ii) मरीज़ (iii) किनारा (iv) सज्जन

(ङ) सम् (उपसर्ग से दो शब्द बनाइए) (1)

(च) लिखावट (प्रत्यय बताइए) (1)

(छ) सदैव (संधि विच्छेद कीजिए) (1)

खण्ड - ग

3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(क) भगवाना की माँ के समक्ष कौन-कौन सी समस्याएँ आ खड़ी हुई थीं? उन समस्याओं का समाधान क्या निकाला? समझाइए। (2)

(ख) लेखक ने किसके लिए सहूलियत की माँग की है और क्यों? (1)

4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) कवि रैदास ने प्रभु के रक्षक स्वभाव का वर्णन किस प्रकार किया है? आप उनके कथन से सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए। (2)

(ख) सागर की अपेक्षा पंक जल को श्रेष्ठ क्यों माना गया है? इसके माध्यम से कवि ने क्या सीख दी है? (2)

(ग) 'सुहागे के संपर्क में आने से सोना अधिक खरा हो जाता है।' कथन में कवि की भक्ति में किस भाव की प्रधानता है? (1)

(घ) प्रेम रूपी धागा तोड़ने का क्या परिणाम होता है? (1)

5 गिल्लू में ऐसे कौन-कौन से गुण थे जिनके चलते वह लेखिका का प्रिय हो गया? (3)

खण्ड - घ

6 'धर्म का सही अर्थ और स्वरूप' बतलाते हुए अपने छोटे भाई/बहन को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

बचपन की खट्टी मीठी शरारतों का उल्लेख करते हुए मित्र को पत्र लिखिए।

7 आप एक खिलौने की कंपनी के मालिक हैं। अपने उत्पाद को सबसे अच्छा बताते हुए समाचार पत्र के लिए 25-30 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। (5)

अथवा

अपनी कंपनी के मसालों की गुणवत्ता प्रदर्शित करते हुए 25-30 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

8 निम्नलिखित चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर लनभग 25-30 शब्दों में चित्र का वर्णन कीजिए। (5)